जहाँ बाबोसा का बसेरा वो चुरूधाम भजन लिरिक्स

जहाँ बाबोसा का बसेरा,
वहाँ सुखों का होता सवेरा,
इनकी शरण में आते ही,
मिट जाता गम का अंधेरा,
जो खोया है वो पायेगा,
जिन्दगी में तू द्वार तो आ,
जहाँ बैठा नाथ मेरा,
वो चुरूधाम।bd।

तर्ज – जब कोई बात बिगड़ जाये।

चमत्कार जो करते हरपल,
वो तांती भभूति जल,
श्रद्धा से जिसने भी,
लगाई मिलता फल,
ना कोई है ना कोई था,
'दिलबर' तेरे सिवा यहाँ,
करु नमन मैं बारम्बार,
वो चुरूधाम।bd।

जिस द्वार से मिलता बल,
वहाँ हर मुश्किल होती हल,
जहाँ होगा काम तेरा,
वो चुरूधाम।bd।

जहाँ बाबोसा का बसेरा,
वहाँ सुखों का होता सवेरा,
इनकी शरण में आते ही,
मिट जाता गम का अंधेरा,
जो खोया है वो पायेगा,
जिन्दगी में तू द्वार तो आ,
जहाँ बैठा नाथ मेरा,
वो चुरूधाम।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
नागदा जक्शन म.प्र.
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com